भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2183

जिसका उत्तर 12 मार्च, 2025 को दिया जाना है

कोयले का आयात

2183. श्री ससिकांत सेंथिलः

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान वर्ष के दौरान आयातित कोयले की कुल मात्रा कितनी है तथा विगत वर्ष की तुलना में आयात में 7.7 प्रतिशत की वृद्धि के क्या कारण हैं;

(ख) वर्ष 2025 में कोकिंग कोयले की अनुमानित मांग तथा इस्पात उत्पादन क्षमता में प्रत्याशित वृद्धि के साथ इसका क्या संबंध है;

(ग) भविष्य की मांग को पूरा करने के लिए आयातित कोकिंग कोयले पर निर्भरता कम करने तथा घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और

(घ) इस्पात उद्योग की कोयले की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने तथा सतत प्रथाओं को प्रोत्साहन देने के लिए क्या पहल है, यदि कोई हो, की गई है?

उत्तर

कोयला एवं खान मंत्री

(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) : चालू वर्ष अर्थात् अप्रैल 24 से दिसंबर 24 के दौरान कोयले का कुल आयात पिछले वित्तीय वर्ष की तदनुरूपी अवधि के दौरान 200.19 मि.ट. की तुलना में 8.4 प्रतिशत की नकारात्मक वृद्धि को दर्शाते हुए 183.42 मि.ट. हो गया।

(ख) : देश में कोयले की मांग का आकलन के प्रयोजन हेतु दिनांक 07.03.2024 को कोयला मंत्रालय में एक अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) गठित की गई है। इस्पात क्षेत्र के लिए कोकिंग कोयले की अनुमानित मांग वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 111.00 मि.ट. रखी गई थी। चालू वर्ष के दौरान इस्पात उत्पादन में प्रत्याशित वृद्धि नीचे दी गई है -

मद	अप्रैल-फरवरी 2024-25 (अनंतिम) (मिलियन टन में)	अप्रैल-फरवरी 2023-24 (मिलियन टन में)	परिवर्तन % (अनंतिम)
अशोधित इस्पात उत्पादन	137.958	131.407	5.0
पिग आयरन उत्पादन	7.661	6.727	13.9
गर्म धातु उत्पादन	83.174	79.371	4.8

फिनिश्ड शीट			
मद	अप्रैल-फरवरी 2024-25 (अनंतिम) (मिलियन टन में)	अप्रैल-फरवरी 2023-24 (मिलियन टन में)	परिवर्तन % (अनंतिम)
उत्पादन	132.572	126.567	4.7
आयात	8.976	7.749	15.8
निर्यात	4.404	6.645	-33.7
खपत	137.848	123.805	11.5

(ग) : कोयला मंत्रालय ने घरेलू कोकिंग कोल उत्पादन बढ़ाने के लिए रोडमैप तैयार करने के उद्देश्य से घरेलू कोकिंग कोल उत्पादन बढ़ाने और कोकिंग कोल के आयात को कम करने के लिए "मिशन कोकिंग कोल" लॉन्च किया है। सरकार ने देश में कोकिंग कोल के आयात को कम करने के लिए मिशन कोकिंग कोल के अंतर्गत निम्नलिखित कार्यनीतियां तैयार की हैं -

- **इस्पात निर्माण के लिए घरेलू कोकिंग कोल मिश्रण को वर्तमान में 10% से बढ़ाकर 30% करना।**
- **वित्त वर्ष 2030 तक कोकिंग कोल उत्पादन को बढ़ाकर 140 मि.ट. करना।**
- **राजस्व साझाकरण मॉडल:** सीआईएल ने निजी क्षेत्र को राजस्व साझाकरण के एक नवप्रर्वतनकारी मॉडल पर ग्यारह बंद कोकिंग कोयला खानों की पेशकश की है।
- **कोकिंग कोल ब्लॉकों की नीलामी:** कोयला मंत्रालय ने पिछले चार वर्षों के दौरान 16 कोकिंग कोल ब्लॉकों की नीलामी की है।

- **वित्त वर्ष 2030 तक कोकिंग कोल धुलाई क्षमता बढ़ाना:** कोल इंडिया लिमिटेड ने पिछले 7 वर्षों में नई तकनीक पर आधारित 3 वाशरियों को चालू किया है और वित्त वर्ष 2030 तक 8 वाशरी स्थापित करने की योजना बनाई है।
- स्वदेशी कोकिंग कोयले के उपयोग को बढ़ाने के लिए कुछ इस्पात कंपनियां स्टाम्प चार्ज कोक ओवन बैटरियाँ लगाने पर विचार कर रही हैं।

ii. **एनआरएस लिंकेज नीलामी मार्ग के माध्यम से इस्पात क्षेत्र को कोयले की आपूर्तिः** एनआरएस लिंकेज नीलामी में कोकिंग कोल लिंकेज की अवधि को 30 वर्ष तक की अवधि के लिए संशोधित किया गया है।

iii. देश में धुले हुए कोकिंग कोल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए एनआरएस लिंकेज नीलामी के तहत मार्च, 2024 में **एक नया उप-क्षेत्र 'डब्ल्यूडीओ मार्ग के माध्यम से कोकिंग कोल का उपयोग करने वाला इस्पात'** बनाया गया है।

(घ) : सरकार ने कोकिंग कोयले के परिष्करण के लिए उन्नत स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों को अपनाने जैसी संधारणीय पद्धतियों को बढ़ावा देकर कोयले के लिए इस्पात उद्योग की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के लिए पहल की है।

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के संबंध में सीआईएल की सभी नई स्थापित और नियोजित वाशरियां अत्याधुनिक परिष्करण प्रौद्योगिकियों जैसे हैवी मीडिया साइक्लोन, टीटर बेड सेपरेटर, स्पाइरल कंसंट्रेटर, फ्रॉथ फ्लोटेशन प्रौद्योगिकी आदि से सुसज्जित हैं/होंगी ताकि इस्पात क्षेत्र को धुले हुए कोकिंग कोयले की स्वदेशी आपूर्ति को इष्टतम बनाने के उद्देश्य से धुलाई की दक्षता बढ़ाई जा सके।

सभी नई वाशरियां क्लोज सर्किट वाशरियां हैं/होंगी, जिन्हें परिवेश में शून्य बहिस्त्राव निस्सारण करने के लिए डिजाइन किया गया है।

इसके अतिरिक्त, प्रचालनात्मक दक्षता बढ़ाने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) और सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की मौजूदा पुरानी वाशरियों का आधुनिकीकरण और नवीकरण किया जा रहा है।

****